

## विचार बिन्दु

केवल प्रकाश का अभाव ही अंधकार नहीं, प्रकाश की अति भी मनुष्य की आँखों के लिए अंधकार है। -स्वामी रामतीर्थ

## देश में डिजिटल क्रांति का असर : मनोरंजन के नाम पर परोसी जा रही है अश्लीलता

डिजिटल क्रांति ने देश में मनोरंजन के तरह तरह के साधन उपलब्ध करा दिए हैं। इनमें एक ओटीडी प्लेटफॉर्म भी है। आजकल ओटीडी की चर्चा खूब हो रही है। ओटीडी की फुल फॉर्म ओवर द टॉप होती है। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो कुछ और प्लेटफॉर्मों की मदद से मोबाइल पर ही वेब सीरीज, फिल्में, और सीरियल उपलब्ध करा देता है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में देश में ओटीडी देखने वाले दर्शकों की संख्या 550 मिलियन तक पहुंच गई है। यह 2023 की तुलना में काफी ज्यादा है, जो इस डिजिटल क्रांति के तेजी से बढ़ने का संकेत देता है। इंटरनेट की रफार बढ़ना, स्मार्टफोन का चलन बढ़ना और टेलीकॉम कंपनियों के बीच डेटा के दाम कम करने की होड़ इस बढ़ते हुए दर्शक वर्ग का कारण है। दरअसल कोरोना महामारी के दौर में डिजिटल वर्ल्ड में एक गजब की क्रांति हुई। इस दौरान लोग घरों में बंद थे। उन्हें मनोरंजन की तलाश थी। विशेषकर युवा वर्ग अपने मोबाइल पर कुछ न कुछ खोज रहे थे। और उन्हें घर बैठे यह सुविधा ओटीडी प्लेटफॉर्म ने सुलभ करा दी। इससे शहर से गांव तक ओटीडी प्लेटफॉर्म का चलन बढ़ गया। मोबाइल पर ही लोगों को मनपसंद वेब सीरीज, फिल्में और शो मिलने लगे। अब उन्हें कहीं जाने की जरूरत नहीं थी। सिनेमा हॉल में तीन-चार घंटे बिताने की भी कोई जरूरत नहीं थी। देखते-देखते ओटीडी प्लेटफॉर्म सबका चहेता बन गया और मनोरंजन के साथ मोज मस्ती तक लोगों की पहुंच आसान हो गई। अमेरिका से होते हुए भारत में सबसे पहली बार साल 2008 में ओटीडी प्लेटफॉर्म की शुरुआत हुई थी। रिलायंस एंटरटेनमेंट ने देश का पहला ओटीडी प्लेटफॉर्म Bigflix लॉन्च किया था। दो साल बाद 2010 में Digivive ने TV नाम से ओटीडी मोबाइल ऐप लॉन्च किए गए। इनमें वीडियो ऑन डिमांड के साथ टीवी देखने की भी सुविधा मिली। वर्तमान में भारत में कई तरह के ओटीडी प्लेटफॉर्म हैं। नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम वीडियो, डिज्नी हॉटस्टार वूट, हुलु, सोनी लिव, जो फाइव और एमएक्स प्लेयर आदि अब सब जगह आसानी से उपलब्ध हैं। ओटीडी सर्विस वर्तमान में बहुत पॉपुलर हो गई है।

ओटीडी जैसे-जैसे लोगों में लोकप्रिय हुआ वैसे-वैसे अच्छाइयों के साथ बुराइयों भी इसमें शामिल हो गई हैं। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने ओटीडी प्लेटफॉर्मों के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं। गाइडलाइंस में अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट पर सख्ती बढ़ाई गई है, ताकि बच्चों और युवाओं को अश्लील तथा अनुचित कंटेंट देखने से रोका जा सके। वेब सीरीज में बढ़ते नशे के प्रयोग और अश्लीलता को लेकर केंद्र सरकार ने ओटीडी प्लेटफॉर्मों को चेतावनी भी जारी की है। रणवीर इलाहाबादिया विवाद के बाद सरकार ने ओटीडी और डिजिटल मीडिया पर नियंत्रण को लेकर नए नियम लागू किए हैं। सरकार ने यह कदम हाल ही में विवादों में आए 'इंडियाजर्नाल' के शो के एक अश्लील मजाक को लेकर उठाया गया है। दरअसल देश के मनोरंजन परिदृश्य में बड़े पैमाने पर क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं और इस क्रांति के केंद्र में ओवर-द-टॉप (ओटीडी) की उल्लेखनीय भूमिका है। ओटीडी ने देश में बड़ी हलचल मचा दी है। ओटीडी से सबसे ज्यादा हमारा युवा वर्ग आकर्षित हुआ है। इसका उपयोग मुख्य रूप से वीडियो ऑन डिमांड प्लेटफॉर्म, ऑडियो स्ट्रीमिंग, ओटीडी डिवाइसेस, वॉइसआइपी कॉल, एवं कन्स्यूमर चैनल मैनेजिंग आदि के लिए किया जाता है। ओटीडी प्लेटफॉर्मों में नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम वीडियो, डिज्नी हॉटस्टार, हुलु और यूट्यूब टीवी शामिल हैं। ये प्लेटफॉर्म आमतर पर फिल्में, टीवी श्रृंखला, वृत्तिचर्चों, लाइव स्पोर्ट्स और समाचार सहित सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में फेमस यूट्यूबर और सोशल मीडिया

आज ओटीडी प्लेटफॉर्म पर क्राइम पर आधारित शो या ऐसे शो जिसमें क्राइम सम्बन्धित कंटेंट अधिक शामिल हों, अधिक देखने को मिल रहे हैं। वहीं लगभग 70 प्रतिशत लोगों का मानना है कि आज ओटीडी प्लेटफॉर्म पर दिखाए/परोसे जाने वाले कंटेंट लोगों, खासकर युवाओं के मन-मस्तिष्क, रहन-सहन और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश भारत है। आज हमारा युवा नशाखोरी के मकड़जाल में फंसाता जा रहा है।

इन्सुलूएंस रणवीर अल्लाहाबादिया से जुड़े विवाद पर टिप्पणी की और उनके कुछ कंटेंट को 'अश्लील' और 'समाज के लिए शर्मनाक' बताया गया है।

ओटीडी प्लेटफॉर्म पर दरअसल इंटरनेट पर जारी धारावाहिक या वीडियो एपिसोड की एक श्रृंखला होती है और इसे वेब शो के नाम से भी जाना जाता है। वेब सीरीज को भी टीवी सीरियल की तरह डिजाइन किया जाता है। वेब सीरीज का प्रसारण सिर्फ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ही किया जाता है। इसका प्रसारण सिर्फ इंटरनेट पर होने के कारण ही इसे वेब सीरीज कहा जाता है। वेब सीरीज में अश्लीलता दिखाई जा रही है जो कि समाज के लिए हानिकारक है। वेब सीरीज में गालियां एवं अश्लीलता को खुल कर दिखाया जाता है जिससे कि वेब सीरीज का गरम मसाला बरकरार रहता है एवं इसकी ओर ज्यादा से ज्यादा लोग आकर्षित होते रहते हैं। युवाओं पर भी इसका गहरा असर पड़ता है। वेब सीरीज में दिखाए जाने वाले नशे, रंगीन लाइफस्टाइल में जीना युवाओं की पसंद बन जाती है। मनोरंजन के साधन का यह बदलता स्वरूप अपने आप में एक बड़ा विषय है जिसकी हमें समीक्षा करने की जरूरत है। वेब सीरीज के प्रति युवा पीढ़ी का आकर्षण बढ़ा है। इसमें सामाजिक व नैतिक मूल्यों को दरकिनार करके कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाने की शिकायतें उठ रही हैं। वेब सीरीज से सामाजिक तानाबाना प्रभावित हो रहा है। परिवार में रिश्ते भी प्रभावित हो रहे हैं। भारतीय सभ्यता और संस्कृति दुनिया में सबसे उम्दा है। इसके संरक्षण की आवश्यकता है। इसी कड़ी में वेबसीरीज पर रोकथाम जरूरी है। इंटरनेट पर अनेक वेब सीरीज उपलब्ध हैं। इसमें अपराधों के साथ ही अश्लीलता भरे कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं। यह भारतीय सभ्यता और संस्कृति के लिए खतरा है। अधिकांश वेब सीरीज समाज में गंदगी फैला रहे हैं। देश की संस्कृति को गलत दिशा में मोड़ने का कुचक्र किया जा रहा है।

ओटीडी प्लेटफॉर्म का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि अमेरिका की दो सबसे बड़ी कंपनियां नेटफ्लिक्स और अमेज़न प्राइम ने भारतीय भाषा में कंटेंट बनाना शुरू कर दिया है। भारत में अमेज़न प्राइम, नेटफ्लिक्स, जी 5, हॉटस्टार प्रीमियम, अल्ट बालाजी जैसे कुछ सबसे प्रसिद्ध एप्लीकेशन हैं जिनकी मदद से हम वेबसीरीज का आनंद उठा सकते हैं। वेब सीरीज के संवादों में गाली-गलौज से लेकर लिंगसूचक, जातिगत और व्यक्तिगत टिप्पणी का बोलबाला अधिक हो रहा है जो हमारे सामाजिक ताने बाने को क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। एक सर्वे के अनुसार वेबसीरीज में समाहित सामग्रियों का समाज पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करने की प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और दिल्ली के उत्तरदाताओं के मत को इकट्ठा किया है। उत्तरदाताओं से मिले जवाब के अनुसार आज अमेज़न सबसे अधिक देखा जाने वाला ओटीडी प्लेटफॉर्म है। वहीं आज ओटीडी प्लेटफॉर्म पर क्राइम पर आधारित शो या ऐसे शो जिसमें क्राइम सम्बन्धित कंटेंट अधिक शामिल हों, अधिक देखने को मिल रहे हैं। वहीं लगभग 70 प्रतिशत लोगों का मानना है कि आज ओटीडी प्लेटफॉर्म पर दिखाए/परोसे जाने वाले कंटेंट लोगों, खासकर युवाओं के मन-मस्तिष्क, रहन-सहन और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश भारत है। आज हमारा युवा नशाखोरी के मकड़जाल में फंसाता जा रहा है। इन दिनों OTT प्लेटफॉर्म का खूब बोलबाला है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वेब सीरीज में सरे आम नशे और अश्लीलता को परोसा जा रहा है। गंदी बात के साथ ड्रग्स, सिगरेट और शराब का सरेआम सेवन हो रहा है। युवा वर्ग आजकल फिल्मों के स्थान पर वेब सीरीज में अधिक डूबा हुआ है।

-अतिथि संपादक,  
बाल मुकुन्द ओझा,  
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

# महाकुंभ : एक थाली और एक थैला अभियान ने दिखा दी देश को नई दिशा



विनोद पाठक

प्रयागराज के महाकुंभ में एक ऐसा अनूठा अभियान चलाया गया। जो देश में प्लास्टिक के इस्तेमाल को लेकर दिशा और दशा, दोनों को बदल रहा है। दरअसल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने महाकुंभ से पहले देशभर से एक थाली और एक थैला इकट्ठा करने का बड़ा अभियान छेड़ा था, ताकि प्लास्टिक की थाली और थैलियों के प्रयोग से बचा जा सके। देश से जुटाई गई स्टील की

थालियों और कपड़े के थैलों की महाकुंभ में अखाड़ों, संस्थाओं और सरकारी विभागों को आपूर्ति की गई। इस अभियान के क्रांतिकारी परिणाम सामने आए हैं, जो न केवल आर्थिक, बल्कि पर्यावरण के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण हैं। सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के बावजूद 4200 हेक्टेयर में फैला महाकुंभ मेला क्षेत्र स्वच्छ नजर आया। हजारों की संख्या में मेला क्षेत्र में धंडारे चलने के बावजूद कहीं भी प्लास्टिक की थाली या गिलास देखने को नहीं मिल रहे हैं। मेला प्रशासन की सफाई को लेकर व्यवस्था तो ही है, लेकिन इसका बड़ा श्रेय एक थाली और एक थैला अभियान को भी जाता है।

महाकुंभ आयोजन से जुड़े सरकारी अधिकारियों ने भी प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ को लेकर प्रशंसा शुरू की। इसमें साधु-संतों को अपने साथ जोड़ा। अखाड़ों ने यह प्रण लिया कि इस बार प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे। हालांकि, असली समस्या यह आ रही थी कि यदि प्लास्टिक नहीं तो फिर क्या? इसका रास्ता दोना-पतल और कुल्हड़ से निकला, लेकिन करोड़ों की संख्या में इनकी आपूर्ति आसान नहीं होती। फिर इनके निस्तारण की व्यवस्था भी करनी पड़ती। इसके बाद स्टील की थाली और कपड़े के थैले का आइडिया सामने आया। स्टील की थाली को धोकर दोबारा इस्तेमाल में लिया जा सकता है। यदि आंकड़ों पर जाएं तो महाकुंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 14 लाख से अधिक स्टील की थालियां वितरित की हैं। 13 लाख से अधिक कपड़े के थैले बांटे हैं। पौने तीन लाख से अधिक स्टील के गिलास बांटे गए हैं। इस अभियान से 29,000 टन अपशिष्ट की कमी आई है और 140 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है।

एक थाली और एक थैला अभियान में साधु-संतों और संस्थाओं का योगदान सराहनीय रहा है। उन्होंने इस अभियान को न केवल हाथों-हाथ लिया, बल्कि ऐसी व्यवस्था की कि भक्त स्वयं थालियां

को साफ करे और सुरक्षित रखकर जाएं। यही कारण है कि मेला क्षेत्र प्लास्टिक की थाली या गिलास नजर नहीं आए। दूसरा, प्रशासन ने दोना-पतल, कुल्हड़ और कपड़े के थैलों को बहुत अधिक बढ़ावा दिया। जो बायोडिग्रेडेबल हैं।

पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचते हैं। मेला प्रशासन ने अपनी ओर से अखाड़ों को दोना-पतल, कुल्हड़ और जूट-कपड़े के थैले मुफ्त में वितरित किए। सभी 25 सेक्टरों में इनके स्टॉल्स लगाए। प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाया। पूरे मेला क्षेत्र को प्लास्टिक फ्री घोषित किया। आज देश के आगे प्लास्टिक एक गंभीर समस्या बना हुआ है। खासकर प्लास्टिक की थाली, गिलास और चम्मच पर्यावरण को बेहद नुकसान पहुंचा रहे हैं। प्लास्टिक, जो बरसों-बरस तक डिकम्पोज नहीं होता है। इस समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी कई बार टिप्पणी कर चुका है, लेकिन कोई भी राह इस दिशा में नजर नहीं आ रही है, लेकिन जिस तरह से महाकुंभ में स्टील की थाली व गिलास और कपड़े के थैले

ने राह दिखाई है, वो कबिलेतीफर है। देश इसका अनुरूप कर एक बड़ी समस्या से निजात पा सकता है। देश में हर वर्ष अरबों प्लास्टिक की थाली, गिलास, चम्मच आदि का इस्तेमाल विभिन्न अवसरों पर होता है। इनकी जगह यदि स्टील का इस्तेमाल हो तो बड़ी राहत मिल सकती है। स्टील को न केवल बार-बार प्रयोग में लिया जा सकता है, बल्कि खराब होने पर ये आसानी से रि-साइकिल भी हो जाता है।

महाकुंभ में आए करोड़ों लोगों ने इस अभियान को देखा है। निश्चित रूप से वो इससे प्रेरित हुए होंगे। आगामी दिनों में हमें शांति, धंडारों और अन्य अवसरों पर प्लास्टिक के बजाय स्टील की थाली का इस्तेमाल देखने को मिल सकता है। कपड़े के थैले को लेकर अभियान देश भर में चलता रहता है। बहुत से संगठन इससे जुड़े हुए हैं, लेकिन स्टील की थाली एक क्रांतिकारी कदम साबित होने वाला है। निश्चित ही महाकुंभ से निकला यह संदेश देश भर में पहुंचेगा।

-विनोद पाठक,  
(वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार)

## डॉ. गर्ग ने सड़के मंजूर करने पर सीएम का जताया आभार

भरतपुर (निस)। भरतपुर विधानसभा क्षेत्र को ऐतिहासिक सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉक्टर सुभाष गर्ग ने हार्दिक आभार व्यक्त किया।

विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने बताया कि भरतपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक सौगातें दी गई हैं जिनमें लोहागढ़ स्टेडियम एवं जसवंत प्रदर्शनी मैदान में ड्रेनेज कार्य, 10 करोड़ रुपये से मथुरा बाईपास से मुरवारा सड़क का 2 किलोमीटर

चौड़ाईकरण एवं सुदृढीकरण कार्य, प्लॉट नंबर ई-90, 4 करोड़ 10 लाख रुपये से ब्रज औद्योगिक क्षेत्र से जघौना रोड (एलसी-24जी) तक सड़क का उन्नयन कार्य, 2 करोड़ 95 लाख रुपये से प्लॉट नंबर जीआई-128 से ई-90, ब्रज औद्योगिक क्षेत्र तक सड़क का सुदृढीकरण कार्य, 7 करोड़ रुपये से रेडक्रॉस सड़क से रेलवे स्टेशन सड़क का चौड़ाईकरण कार्य, एमएलजे महाविद्यालय भरतपुर में अध्ययन ब्लॉक, ऑडिटोरियम निर्माण व अन्य कार्य,

## आशा पाण्डेय का दिल्ली में किया जाएगा सम्मानित

उदयपुर, 1 वर्ष 2025 का दूसरा अंश शांति साहित्य गौरव सम्मान उदयपुर की सुविख्यात कवयित्री आशा पाण्डेय को दिया जाएगा। अंश शांति साहित्य मेमोरियल, दिल्ली के अध्यक्ष और खसतान कवि नरेश शांडिल्य ने बताया कि आठ मार्च महिला दिवस के दिन एक समारोह में आशा को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। कविता विधा में उनके स्तंभिक अवदान के लिए कवयित्री आशा को अंगवस्त्र, नारियल, प्रशस्ति पत्र और ग्यारह हजार की राशि से सम्मानित किया जाएगा। आशा पाण्डेय आशा की अब तक ग्यारह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। वे साहित्य की हर विधा में लेखन करती हैं। गीत, कविता, आलेख, निबंध, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त सहित कई विधाओं पर अपनी कल्पन चला चुकी हैं। संस्थापक नरेश शांडिल्य ने अपने माता-पिता स्व. ओम प्रकाश शर्मा और स्व. शांति देवी की पुण्य स्मृति में पिछले वर्ष संस्थान की स्थापना की थी।



आशा की अब तक ग्यारह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। वे साहित्य की हर विधा में लेखन करती हैं। गीत, कविता, आलेख, निबंध, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त सहित कई विधाओं पर अपनी कल्पन चला चुकी हैं। संस्थापक नरेश शांडिल्य ने अपने माता-पिता स्व. ओम प्रकाश शर्मा और स्व. शांति देवी की पुण्य स्मृति में पिछले वर्ष संस्थान की स्थापना की थी।

## समाज सेवी यश अग्रवाल होंगे महामूर्खाधिराज

भरतपुर (निस)। मित्र मण्डली तरुण समाज समिति की मीटिंग अध्यक्ष अमर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। पिछले 52 वर्ष से चली आ रही परम्परा को कायम रखते हुए होली पर्व पर तीन दिवसीय रंगीली महोत्सव के अन्तर्गत प्रमुख उद्योगपति एवं समाजसेवी यश अग्रवाल 2025 महा मूर्खाधिराज होंगे।

10 मार्च को कुम्भेर गेट से महामूर्खाधिराज की विशााल शोभायात्रा आरंभ होकर शहर के कुम्भेर गेट, लक्ष्मण मंदिर, चौबुर्जा होते हुए मानसिंह सड़क पर समाप्त होगी। जुलूस संयोजक नरेन्द्र सिंह मैनेजर व संस्था संस्थापक हरिमोहन मित्तल के अनुसार शोभायात्रा में रंग और गुलाल पर पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। पूरी शोभायात्रा में गुलाब की पंखुडियों से

होली मिलन समारोह का आयोजन होगा। शोभायात्रा में विभिन्न झंकारियां, श्रवण एवं अन्य आकर्षण में भुसावर की चन्द्रप्रकाश पार्टी, सूरजपोल से खुशीराम, भागचंद, सोहनलाल पार्टी, नमक कटरा से धर्मसिंह व शंकर की पार्टियों की आकर्षक झंकारियां, बलवीर सिंह निगोही की बन्म पार्टी, मंगला ढोल की बन्म पार्टी, नासिक ढोल के करतब देखने को मिलेंगे। महामंत्री पवन खण्डेलवाल के अनुसार कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया है। तरुण समाज समिति की मीटिंग में अमरसिंह अध्यक्ष, हरिमोहन मित्तल संस्थापक, नरेन्द्र सिंह मैनेजर, नवीन शर्मा, त्रिलोक सराफ, किशन गुप्ता, जसविंद सिंह गिल, प्रदीप शर्मा, राजकुमार बबुआ आदि अन्य सदस्य उपस्थित थे।

## सीएम 2 मार्च को बांसवाड़ा जिले में, शक्तिपीठ के करेंगे दर्शन

बांसवाड़ा । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 2 मार्च को जिले में शक्तिपीठ त्रिपुरा सुंदरी मंदिर के दर्शन कर पूजा-अर्चना करेंगे। मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी योगेश कुमार गोयल ने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा 2 मार्च को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 10.40 बजे आगरा एयरपोर्ट से विशेष वायुयान से रवाना होकर प्रातः 11.40 बजे तलवाड़ा हवाईपट्टी पहुंचेंगे तथा 11.45 बजे तलवाड़ा हवाईपट्टी से हेलीकोप्टर द्वारा 11.50 बजे हेलीपैड त्रिपुरा सुंदरी, उमराई पहुंचकर प्रातः 11.50 से 12.20 तक त्रिपुरा सुंदरी में दर्शन-पूजा करेंगे तथा दोपहर 12.20 हेलीकोप्टर से प्रस्थान कर दोपहर 12.50 बजे डूंगरपुर जिले के खेरमाल पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को 2 मार्च को जिले

में प्रस्तावित त्रिपुरा सुंदरी की यात्रा के तहत जिला कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव व जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अटवालाने तलवाड़ा हवाईपट्टी, त्रिपुरा सुंदरी हेलीपैड, मंदिर परिसर आदि की व्यवस्था व तैयारियों का जायजा लिया।

जिला कलेक्टर व एस्पनी ने तलवाड़ा हवाईपट्टी पर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों से हवाईपट्टी व रेस्ट हाउस में की जाने वाली व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने दोनों स्थानों पर आवश्यकतानुसार सभी व्यवस्थाएं सभ्य पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर अमीषेक गोयल, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

## राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की दी जानकारी

भरतपुर (निस)। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक आईसीएमआर, योजना आयोग, योजना आयोग के संयुक्त सलाहकार, राष्ट्रीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ. पद्म सिंह व महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के सहायक कुल सचिव डॉ. फरवट सिंह ने माँ सरस्वती और महाराजा सूरजमल की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण और पुष्प अर्पण कर किया गया। डॉ. पद्म सिंह का स्वागत डॉ. फरवट सिंह ने पुष्प गुच्छ, शॉल एवं श्रीफल के साथ किया। डॉ. कृतीका त्रिगुणावत ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है।

# ईट भट्टे की चिमनी से निकला धुंआ, भट्टा मालिक व श्रमिक के चेहरे खिले

हलैना, भरतपुर (निस)। एनसीआर क्षेत्र के नियम एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की पालना करते हुए नदबई, वैर, भुसावर तहसील तथा हलैना उप तहसील क्षेत्र में संचालित ईट भट्टों पर ईट पकाई का कार्य और चिमनी से धुंआ निकलना शुरू हो गया जिसको देख भट्टा मालिक सहित व्यापारी, ठेकेदार, श्रमिक आदि के चेहरे पर खिलावट झलक आई है। ये भट्टे अब 30 जून तक चलेंगे और एक जुलाई को चिमनी से धुंआ निकलना बन्द हो जाएगा। साल के 365 दिन में से केवल 122 दिन ही इन भट्टों पर ईट पकाई होगी। ईट भट्टा कारोबार से जुड़े लोग और भट्टा संचालक एनसीआर के नियम और भरतपुर जिले का एनसीआर क्षेत्र में शामिल होने से दुःखी हैं, जिससे भरतपुर और डींग जिले का ईट भट्टा कारोबार प्रभावित है। ये श्रमिक अपने परिवार सहित देश के

## 30 जून तक ईट पकाई का होगा कार्य

कई राज्यों से दशहरा से दीपावली पर्व के आसपास आते हैं और गुरु पूर्णिमा से श्वाभच्यन पर्व तक अपने घरों को लौटते हैं। जब ये गांव व घर से आते हैं तो सभी के चेहरे पर खुशियां नजर आती हैं। जिन्हे ईट भट्टा मालिक, मुनीम व अन्य कर्मचारी श्रमिकों के द्वारा ईट थपाई, निकामी, पकाई, बिक्री आदि कार्य कराए जाते हैं। कहां कहां संचालित हैं भट्टे : उपखण्ड नदबई, वैर, भुसावर, डींग जिले के उपखण्ड नगर व कुम्भेर तथा पडोसी जिले अलवर के उपखण्ड कटूमर, लक्ष्मणगढ़ एवं दौसा जिले के उपखण्ड महवा, मण्डावर, लवाण, करीली जिले के उपखण्ड टोडाभीम में करीब 250 से अधिक ईट भट्टे संचालित हैं। भरतपुर जिले में कस्वा नदबई, हलैना, बेरी, रामनगर, नसवारा, हन्तरा, सरसेना, ईरनियां, अरोदा, बुढवारी, भदोरा, नामखेडा, करीली, ऊंच, कबई, रौजिना आदि गांवों पर 125 से अधिक ईट भट्टे हैं। ढाई दशक में 190 भट्टे हुए बन्द : ईट भट्टा संचालक चंचल जिन्दल, सन्तोष चौधरी, अनिल सैनी व पिन्डू जाट ने बताया कि भरतपुरवर्ध जगु जिला एनसीआर क्षेत्र में आता है। जिले के वैर, नदबई, भुसावर व नगर उपखण्ड क्षेत्र में ही ये भट्टे संचालित हैं। जहां ये भट्टे लगे हुए हैं, वहां से दिल्ली की दूरी करीब 250 किमी है और ताज महल की दूरी करीब 75 किमी है। दिल्ली से दौसा, अलौगढ़ व मथुरा की दूरी करीब 120 किमी से 200 किमी होगी। इन जिले में एनसीआर के नियम लागू नहीं होते हैं। जहां ईट भट्टे की चिमनी से धुंआ

नवम्बर व दिसम्बर से निकलाना शुरू हो जाता है। जबकि भरतपुर जिले में 1 मार्च से भट्टे की चिमनी से धुंआ निकलता है और ये भट्टे चालू होते हैं। ऐसा होने से भरतपुर जिले को ईट भट्टा कारोबार चोपट हो गया। एनसीआर नियम से जिले में साल 2000 से 2024 तक करीब 190 ईट भट्टे बन्द हो गए। वर्ष 2022 में 55ए वर्ष 2023 में 43 तथा वर्ष 2024 में 21 भट्टे बन्द हुए। साल 2025 में 10 भट्टे बन्द हो सकते हैं।

एनसीआर से निकले तो सस्ती मिले : ईट भट्टा मालिक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष सन्तोष चौधरी ने बताया कि एनसीआर क्षेत्र में भरतपुर जिले का आना और कठोर नियम के कारण जिले का उद्योग धन्धा चोपट हो गया। जिले के अनेक उद्योग बन्द हो गए अब ईट उद्योग धन्धा भी बन्द के कगार पर है। यदि भरतपुर जिले के

उपखण्ड वैर, भुसावर, नदबई, नगर आदि एनसीआर क्षेत्र के निकले और राजस्थान प्रान्त में एक साथ ईट भट्टों की जलाई शुरू हो, तभी ईट सस्ती होगी और ईट भट्टा कारोबार प्रभावित करेगा। ऐसा होने से लोगों को रोजगार भी प्राप्त होगा।

कहां से आते श्रमिक : ईट भट्टा संचालक चंचल अग्रवाल हलैना वाले एवं बिजेन्द्र सिंह हन्तरा ने बताया कि ईट भट्टों पर कार्य करने के स्थानीय एवं राजस्थान के कई जिले सहित उत्तरप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, दिल्ली, गुजरात, पंजाब आदि प्रान्तों से श्रमिक आते आते हैं। जो ईट थपाई, ईट जलाई, ईट निकामी आदि के कार्य करते हैं। श्रमिकों को लाने वकत उन्हें एडवांस में पैसा दिया जाता है और जब वे लौटते हैं, उस वकत कार्य के हिसाब से पैसा की लेनदेन करते हैं।



## राशिफल

शनिवार 1 मार्च, 2025

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत् 2081, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र दिन 11:23 तक, साध्य योग सायं 4:25 तक, बालव कर्ण दिन 1:43 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा। ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरु-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज त्रिपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 11:23 तक है। आज चन्द्र दर्शन, दक्षिण श्रृंगोन्तित, फुलेरा दोज है। आज श्री रामकृष्ण परमहंस जयन्ती, पंचक है। श्रेष्ठ चौघडिया: शुभ 8:21 से 9:47 तक, चर 12:39 से 2:05 तक, लाभ-अमृत 2:05 से 4:55 तक। राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:55, सूर्यास्त 6:24

**मेष**  
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अर्न्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

**तुला**  
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बने लगेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**वृष**  
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संपादित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

**वृश्चिक**  
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**मिथुन**  
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियों से राहत मिलेगी। आज आर्थिक मामलों में उचित सफलता मिलेगी।

**धनु**  
घर-परिवार में आपसी वाद-विवाद हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

**कर्क**  
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्यों के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

**मकर**  
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नौकरपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**सिंह**  
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

**कुंभ**  
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कन्या**  
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

**मीन**  
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में सफल रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।